पाठ 7

हम भी सीखें

• गोपाल कृष्ण कौल

आइए, सीखें : प्रकृति एवं पर्यावरण के प्रति प्रेम भाव उत्पन्न करना। ♦ अनुनासिक चिह्न का सामान्य ज्ञान।

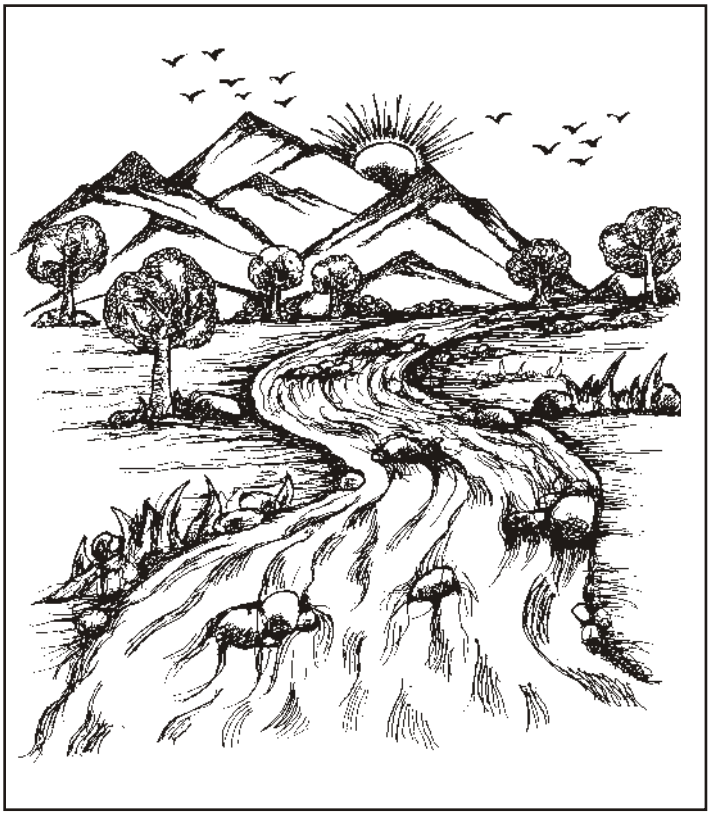

कुदरत हमको रोज सिखाती,
जग–हित में कुछ करना सीखें।
अपने लिए सभी जीते हैं,
औरों के हित मरना सीखें॥
सूरज हमें रोशनी देता,
तारे शीतलता बरसाते,
चाँद बाँटता अमृत सबको,
बादल वर्षा–जल दे जाते।
जुगनू ज्यों थोड़ा–थोड़ा ही,
अंधकार हम हरना सीखें॥
बिन अभिमान पेड़ देते हैं,
बीज, फूल, फल ठण्डी छाया।
ये दधीचि* बनकर हर युग में,
न्यौछावर कर देते काया॥
मौसम चाहे कैसा भी हो,
तरु की तरह निखरना सीखें॥

*__दधीचि__ – एक पौराणिक कथा के अनुसार दधीचि ऋषि ने अस्त्र बनाने के लिए अपनी हड्डियाँ तक देवताओं को दान कर दी थीं। इन हड्डियों से वज्र बनाया गया जिससे इन्द्र ने राक्षसों को परास्त किया।

शिक्षण संकेत –

♦ कविता को हाव–भाव और लय के साथ बच्चों को सुनाएँ और उनसे सुने। ♦ कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों की सहायता से स्पष्ट करें। ♦ प्रकृति हमारी सहचरी है, उससे प्रेरणा लेने एवं पर्यावरण केप्रति प्रेम भाव जाग्रत करें।

गहरी नदियाँ, निर्झर, नाले,
निर्मल जल दिन-रात बहाते।
ऊँचे-नीचे पर्वत ही तो,
इन सोतों के जनक कहाते ।
ऐसे ही त्यागी बनकर हम,
बूँद-बूँद कर झरना सीखें॥
सबका पालन करने वाली,
अन्न उगाती धरती प्यारी।
उथल-पुथल खुद ही सह लेती,
महकाती जीवन फुलवारी।
जीवन देती प्राणवायु बन,
चारों ओर विचरना सीखें॥

नए शब्द

कुदरत = प्रकृति । **जग-हित** = संसार के कल्याण के लिए । **तरु** = पेड़। **निखरना** = निर्मल या साफ होना, चमकना। **सोता** = झरना। **जनक** = जन्म देने वाला। **महकना** = सुंगध देना। **विचरना** = घूमना-फिरना।

अनुभव विस्तार

1. **वस्तुनिष्ठ प्रश्न-**

(क) सही जोड़ी बनाइए -

सूरज हमें रोशनी देता	-	निर्मल जल दिन-रात बहाते
बिन अभिमान पेड़ देते है	-	अन्न उगाती धरती प्यारी
गहरी नदियाँ, निर्झर नाले	-	बीज फूल, फल, ठण्डी छाया
सबका पालन करने वाली	-	तारे शीतलता बरसाते

(ख) दिए गए विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

(अ) अपने लिए सभी जीते हैं.....मरना सीखें।

(औरो के हित, दूसरों के हित)

(ब) चाँद बाँटता .....सबको, बादल वर्षा जल दे जाते (अमृत,चाँदनी)

(स) ऊँचे-नीचे .....ही तो, इन सोतों के जनक कहाते। (पहाड़, पर्वत)

(द) ऐसे ही त्यागी बनकर हम, बूँद-बूँद कर.....सीखें।
(घटना,झरना)

3. अति लघु उत्तरीय प्रश्न -

(अ) कुदरत हमें क्या सिखाती है?

(ब) तारे हमें क्या देते हैं?

(स) धरती क्या कार्य करती है?

4. लघु उत्तरीय प्रश्न -

(अ) पर्वतों को सोतों का जनक क्यों कहा गया है?

(ब) पेड़ों को दधीचि क्यों माना गया है?

(द) जुगनू से हमें क्या सीख मिलती है?

भाषा की बात-

1. बोलिए और लिखिए-

कुदरत, अमृत, दधीचि, निर्मल, पर्वत, त्यागी

2. सही वर्तनी वाले शब्दों पर गोला लगाइए-

1. सिखती, सखाती, सिखाती, सीखाति
2. वरषा, वर्रषा, वर्षा, वार्ष
3. जुगनू, जुगन, जुगुन, जूगनू,
4. अंधकर, अंधाकार, अंधकार, अधंकारा

■ **ध्यान दीजिए-**

'चाँद बाँटता अमृत सबको' में रेखांकित शब्दों को ध्यान से पढ़िए-

चाँद और बाँटता शब्दों में चन्द्रबिन्दु (ँ) का उच्चारण नाक और मुँह से किया जाता है ये ध्वनियाँ अनुनासिक ध्वनियाँ कहलाती हैं। ये अनुनासिक ध्वनियाँ जब शिरोरेखा पर मात्रा के साथ-साथ लिखी जाती है तब अनुनासिकता के लिए बिन्दु (ं) का प्रयोग किया जाता है।

जैसे- में, बच्चों, कहीं आदि।

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक के चिह्न (ँ) का प्रयोग कीजिए -

माग, टाग, जाच, तागा, ऊट, नदिया, बाटना

■ **यह भी जानिए –**

जुगनू ज्यों थोड़ा–थोड़ा ही,
अंधकार हम हरना सीखें।
ऐसे ही त्यागी बनकर हम,
बूँद–बूँद कर झरना सीखें॥

ऊपर पंक्तियों में आए थोड़ा–थोड़ा व बूँद–बूँद में एक ही शब्द दो बार आया है। इस प्रयोग से कविता की सुन्दरता बढ़ गई है। इस प्रकार के एक जैसे शब्द 'पुनरूक्त शब्द' कहलाते हैं।

4. कोष्ठक में दिए गए शब्द की आवृत्ति से शब्द बनाकर रिक्तस्थान की पूर्ति कीजिए–

.....	चलता भैया।	(आगे)
.....	आई गैया।	(पीछे)
.....	लो घास खिलाई।	(हरी)
.....	उसने वह खाई।	(खुशी)

■ **और भी जानिए –**

गहरी नदियाँ, निर्झर, नाले,
निर्मल जल, दिन–रात बहाते॥
ऊँचे–नीचे पर्वत ही तो,
इन सोतों के जनक कहाते॥

इन पंक्तियों में 'दिन–रात' व 'ऊँचे–नीचे' शब्द आए है। ये शब्द योजक (–) चिह्न से जुड़े हुए हैं। इन शब्दों को युग्म शब्द कहते हैं। यहाँ यह युग्म शब्द विपरीत अर्थ का बोध करा रहें है।

5. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखिए–

अग्रज, सुगंध, आदि, आदान

अभिमान शब्द में मान मूल शब्द है, इस शब्द के पूर्व 'अभि' उपसर्ग लगाने से अभिमान नया शब्द बना है।

अभि	+	मान	–	अभिमान
(उपसर्ग)		(मूल शब्द)		(नया शब्द)

6. **निम्नलिखित शब्दों में 'अभि' उपसर्ग का प्रयोग करते हुए नए शब्द बनाइए –**

ज्ञान, नंदन, यान, रूचि, नेता, मत

अब करने की बारी

- आपने अपने मित्रों को उनकी परेशानी के समय में कब–कब सहयोग दिया है? याद कीजिए और डायरी में नोट कीजिए।
- अपने उन मित्रों के नाम लिखिए जिन्होंने आपको सहयोग दिया है।
- ''प्रकृति और हमारा दैनिक जीवन'' विषय पर निबंध लिखिए ।